

**पाटी स्त्री.** (तत्.) 1. रीति, परिपाटी, अनुक्रम 2. गणना आदि का क्रम अर्थात् जोड़, बाकी, गुणा, भाग में निर्धारित क्रम 3. श्रेणी, अवलि, पंक्ति, पाँत।

**पाटी स्त्री.** (देश.) 1. तख्ती, लकड़ी की लंबोतरी पट्टी जिस पर विद्यारंभ करने वाले छात्र गुरु से पाठ लेते हैं या लिखने का अभ्यास करते हैं 'पटिया', 'पट्टी' 2. पाठ, सबक मुहा. पाटी पढ़ाना- पाठ पढ़ाना, शिक्षा देना, कोई बात सिखा देना; पाटी पढ़ना- पाठ पढ़ना, सबक लेना, शिक्षा पाना उदा. तुम कौन सी पाटी पढ़े हो लला, मन लेहु पै देहु छटांक नहीं 3. मांग के दोनों ओर तेल, गोंद, या जल की सहायता से कंधा करके बैखरा या सैट किए हुए बाल जो देखने में बराबर मालूम हों, पट्टी, पटियाँ 4. लकड़ी का वह गोल, चिपटा या चौकोर बल्ला जो खाट की लंबाई के बराबर दोनों ओर रहता है, चारपाई के ढाँचे की लंबाई की पट्टी या उसका पार्श्व भाग 5. चटाई 6. पत्थर की पटिया 7. शिला, चट्टान।

**पाटीर पुं.** (तत्.) 1. एक प्रकार का चंदन 2. मेघ, बादल 3. खेत, मैदान, क्षेत्र 4. वेणुसार, वंशलोचन।

**पाठ पुं.** (तत्.) 1. पढ़ने की क्रिया या पढ़ाई 2. किसी धार्मिक या देवपरक ग्रंथ को नियमित रूप से पढ़ने की क्रिया या भाव जैसे- 'स्तोत्र-पाठ', वेद पाठ, रामायण पाठ 3. ब्रह्म-यज्ञ, वेदाध्ययन, वेद पाठ 4. पढ़ा हुआ या पढ़ाया जाने वाला विषय 5. किसी विषय का वह अंश जो एक बार में पढ़ाया जा सके, सबक, पाठ 5. पुस्तक का एक अंश, अध्याय, परिच्छेद मुहा. पाठ पढ़ना- कुछ सीख लेना, कुछ सीखना (विशेषतः बुरी बात) अपने मतलब के लिए किसी को बहकाना; पट्टी पढ़ाना- उल्टा पाठ पढ़ाना, कुछ का कुछ समझा देना, असलियत के विरुद्ध विश्वास करा देना वि. (देश.) जवान, तगड़ा, पाठा स्त्री. जवान गाय, भैंस या बकरी।

**पाठक पुं.** (तत्.) 1. पढ़ने वाला, वाचक, छात्र 2. जो पढ़ाए या पढ़ाने का कार्य करे; अध्यापक, गुरु, पढ़ाने वाला 3. धर्मोपदेशक, कथावाचक 4. ब्राह्मणों का एक उपवर्ग या अल्ल, पदवी।

**पाठदोष पुं.** (तत्.) पढ़ने के ढंग तथा चेष्टाओं में मिलने वाले अठारह (18) प्रकार के दोष जो निन्द्य और वर्जित हैं जैसे- कठोरता, अस्पष्टता, शीघ्रता आदि।

**पाठन पुं.** (तत्.) पढ़ाने की क्रिया या भाव, शिक्षण, अध्यापन, पढ़ाना।

**पाठ-भेद पुं.** (तत्.) एक ही ग्रंथ की दो प्रतियों में मिलने वाला पाठ भेद या पाठ का अंतर, पाठांतर, पाठ-भिन्नता।

**पाठशाला स्त्री.** (तत्.) वह स्थान या संस्था जहाँ (छोटी कक्षाओं) विद्यार्थियों को एक या अधिक विषय पढ़ाए जाएं, विद्यालय, मदरसा, चटसाल, स्कूल 2. संस्कृत पढ़ाने का विद्यालय।

**पाठशालिनी स्त्री.** (तत्.) मनुष्य की वाणी की नकल करने वाली एक प्रकार की मैना, सारिका (शारिका)।

**पाठांतर पुं.** (तत्.) दे. पाठभेद।

**पाठा पुं.** (तत्.) 1. जवान, परिपुष्ट, मोटा-ताजा आदमी, हृष्ट-पुष्ट, कहावत- 'साठा सो पाठा' 2. जवान बैल, भैंसा या बकरा, युवा हाथी स्त्री. (तत्.) आयु. एक लता-पाढ़/पाढ़ा; इसके पत्ते कुछ नोकदार, गोल और फूल छोटे सफेद तथा फल मकोय जैसे लाल रंग के होते हैं।

**पाठिक वि.** (तत्.) मूल पाठ के समान या उससे मिलता-जुलता।

**पाठिका स्त्री.** (तत्.) 1. पढ़ने वाली 2. पढ़ाने वाली 2. पाठा या पाढ़-पाढ़ा लता।

**पाठित वि.** (तत्.) पढ़ाया हुआ (पाठ या अन्य विषय)।

**पाठी पुं.** (तत्.) 1. पाठ करने वाला पाठक जैसे- "वेदपाठी" "सहपाठी" 2. अपना अध्ययन पूर्ण कर चुका ब्राह्मण।

**पाठीन पुं.** (तत्.) पहिना या पहिना नामक मछली "मीन पीन पाठीन पुराने" (रामचरित मानस (2/193) 2. पठनशील।

**पाठ्य वि.** (तत्.) 1. पढ़ने योग्य, पठनीय, पठितव्य 2. जो पढ़ाया जाए यौ. पाठ्यक्रम (सिलेबस) ।